भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2022

(जिसका उत्तर सोमवार, 19 दिसम्बर, 2022/28 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है)

कमोडिटी एक्सचेंज

2022.: श्री नाराणभाई काछड़ियाः

श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

क) वर्तमान में कितने कमोडिटी एक्सचेंज और मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज हैं जो कार्य कर रहे हैं;
ख) उनमें कितनी अधिसूचित वस्तुओं का कारोबार किया जा रहा है;
ग) क्या इन एक्सचेंजों के कारण दालों की कीमतों में अनुचित वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और
घ) क्या सरकार का विचार इन एक्सचेंजों के कामकाज की समीक्षा करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (चौधरी श्री पंकज)

(क) वर्तमान में, कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट वाले चार स्टॉक एक्सचेंज हैं, जैसे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एमसीएक्स), नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स), बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई)।

(ख) दिनांक 27.9.2016 की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से 91 वस्तुओं को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के तहत अधिसूचित किया गया है, जिन पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुमोदन के अनुसरण में, स्टॉक एक्सचेंज कमोडिटी डेरिवेटिव संविदाएं लॉन्च कर सकते हैं। इन 91 कमोडिटी में से, वर्तमान में, 27 कमोडिटीज/कमोडिटी युग्मों पर संविदाओं के कारोबार किए गए हैं।

(ग) उपभोक्ता खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति (सीएफपीआई) अक्टूबर, 2022 में 7.01% से घटकर नवंबर, 2022 में 4.67 प्रतिशत हो गई है। दालों की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में हाल के महीनों में कोई तीव्र और लगातार वृद्धि दिखाई नहीं दी है।

(घ) कमोडिटी एक्सचेंजों को सेबी द्वारा अपने विनियमों के अनुसार विनियमित किया जाता है और समय-समय पर सेबी द्वारा उनके प्रशासन रूपरेखा की समीक्षा की जाती है।

******